2022

HINDI

(Honours)

Paper : HIN-HC-3016

(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) किस कवि का साहित्यिक उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' है?

(ख) 'कलगी बाजरे की' कविता के कवि कौन हैं?

(ग) पहले 'तार सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(घ) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है?

(ङ) 'हँसो हँसो जल्दी हँसो' कविता के रचयिता का नाम क्या है?

(च) दिनकर के एक काव्य-संग्रह का नामोल्लेख कीजिए।

(छ) "कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद" —यह काव्य-पंक्ति किस कविता में आयी है?

(ज) दिनकर किस आधुनिक काव्यधारा के कवि हैं?

(झ) 'गीत फरोश' कविता के कवि कौन हैं?

(ञ) 'कविता का गाँधी' किनको कहा जाता है?

(ट) 'पत्रहीन नग्न गाछ' किस कवि की कृति है?

(ठ) किस काव्य-ग्रंथ के लिए दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था?

(ड) हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा 'देव पुरस्कार' किस कवि को मिला था?

(ढ) अज्ञेय का पूरा नाम क्या है?

(ण) भारतीय ग्रामीण जीवन की संवेदना और समाजवादी विचारधारा किस कवि की कविता का मूल स्वर है?

(त) नारी-प्रेम और प्रकृति-प्रेम किस कवि की कविताओं के मुख्य विषय हैं?

(थ) रघुवीर सहाय द्वारा सम्पादित एक पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

(द) 'संस्कृति के चार अध्याय' नामक ग्रंथ के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार किसको मिला था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "कई दिनों तक चूल्हा रोया" —का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रयोगवादी कविता की दो प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

(ग) पुष्प के जीवन की प्रमुख अभिलाषा क्या है?

(घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की जनवादी चेतना का मूल आधार क्या है?

(ङ) "समर्पित
शब्द जादू है...
मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है?"

—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) "क्या? देख न सकती जंजीरों का गहना
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना"

—कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(छ) "हरी बिछली घास।
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की।"

यहाँ कवि के मन में कौन-सा भाव उभरकर आया है?

(ज) "झपटता बाज
फन उठाये साँप
दो पैरों पर खड़ी
काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी"

जीव-जगत् की ऐसी तस्वीर किसलिए सुंदर लगती है?

(झ) "चुप खड़ा बगुला डुबाये टाँग जल में
देखते ही मीन चंचल
ध्यान निद्रा त्यागता है।"

इन पंक्तियों का आशय बताइए।

(ञ) 'अकाल और उसके बाद' शीर्षक कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'पुष्प की अभिलाषा' कविता में चित्रित राष्ट्रीय भावना का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'माँझी न बजाओ बंशी' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ग) 'नेता क्षमा करें' कविता में कौन-सा आक्रोश अभिव्यक्त किया गया है?

(घ) "'आज हैं केसर रंग रँगे वन' में सौन्दर्य-अनुभूति का मानवीकरण हुआ है।" स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'अकाल और उसके बाद' कविता के कलापक्षीय सौन्दर्य का आकलन कीजिए।

(च) गिरिजा कुमार माथुर की किन्हीं तीन काव्यगत विशेषताओं का खुलासा कीजिए।

(छ) "धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रहीं मधुपर्क।"

इन पंक्तियों का संदर्भ एवं आशय बताइए।

(ज) "मेरे नगपति! मेरे विशाल
साकार दिव्य, गौरव विराट
पौरुष के पंजीभूत ज्वाल
मेरी जननी के हिम किरीट
मेरे भारत के दिव्य भाल।"

—भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा रचित 'दुख' शीर्षक कविता के भावपक्ष का आकलन कीजिए।

(ख) "'गीत फरोश' कविता में 'गीतों' के विक्रेता बन जाने की विडम्बना को मार्मिकता के साथ अभिव्यक्त किया गया है।" प्रस्तुत कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ग) ''हँसो हँसो जल्दी हँसो' कविता में सत्ताधारी और जनता के बीच विकसित संबंध में सत्ता का विद्रुप और जनता की विपत्तियाँ उभर कर सामने आयी हैं।'' प्रस्तुत टिप्पणी की समीक्षा कीजिए।

(घ) राष्ट्रवादी कवि माखनलाल चतुर्वेदी की कविता 'कैदी और कोकिला' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'आज हैं केसर रंग रँगे वन' कविता के संवेदना-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(च) 'भूख' शीर्षक कविता की अभिव्यक्ति-पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(छ) काव्य-सौन्दर्य की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ज) नागार्जुन की कविताओं के प्रमुख स्वरों पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(झ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है,
प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।''

(ञ) प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए :

''ये कि जैसे आँख मिलते ही; झरोखा बंद हो ले,
और नूपुर ध्वनि, झमक कर; जिस तरह द्रुत छन्द हो ले,
उस तरह बादल सिमट कर; चन्द्र पर छाये अचानक,
और पानी के हजारों बूँद; तब छाये अचानक।''

★★★